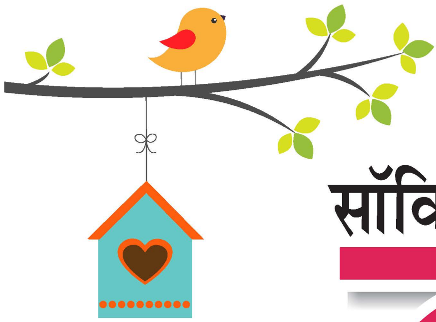

सॉविनिर

व्याकरण सरोवर

Text-cum-Workbook

05

TEACHER'S BOOK

सॉविनिर पब्लिशर्स प्रा. लि.

व्याकरण सरोवर भाग 5

अध्याय 1 भाषा, लिपि और व्याकरण

(क) 1. मौखिक भाषा 2. देवनागरी

3. रुसी 4. 14 सितंबर

(ख) 1. घ.

2. ड़

3. च.

4. क.

5. ख.

6. ग.

(ग) 1. ---------मौखिक भाषा

2. ---------लिखित भाषा

3. ---------राष्ट्रभाषा

4. ---------लिपि

5. ---------अंग्रेजी/अंतराष्ट्रीय भाषा

(घ) स्वयं करें।

(ड़) इंग्लैंड - अंग्रेजी

चीन - चीनी (मंदारिन)

फ्रांस - फ्रांसीसी (फ्रेंच)

भारत - हिंदी

जापान - जापानी

रूस - रुसी

नेपाल - नेपाली

जर्मनी - जर्मन

(च) पेज 9 से डालें

(छ) असम --> असमिया

उत्तर प्रदेश --> हिंदी

तमिलनाडु --> मणिपुरी

गुजरात --> गुजरती

महाराष्ट्र --> मराठी

पंजाब --> पंजाबी

अध्याय 2 वर्ण विचार

(क) ----- ------- पलंग पतंग गाँव पाँव चाँद जंग
बाँह बंदर कंगन शंख साँप मंगल पंख पाँच

(ख) क् + अ = कल क् + आ = काम क् + इ = किरण क् + ई = कील
क् + उ = कुल क् + ऊ = स्कूल क् + ऋ = कृषक क् + ए = केला
क् + ऐ = कैमरा क् + ओ = कोयला क् + औ = कौरव

(ग) 1. वर्ण 2. व्यंजन 3. वर्णमाला 4. अनुस्वार 5. द्वित्व

(घ) द्वित्व व्यंजन - गद्-दा, गुब्बारा, लट्-टू, कुत्ता, पन्ना, रस्सी, अम्मा, न्याय, मक्का
संयुक्त व्यंजन - मच्छर, बस्ता, मक्खी, विद्या, श्वास, मस्ती, द्वार

(ड़) कॉफी बॉल डॉक्टर क्लॉथ

(च) बगीचा - ब् + अ + ग् + ई + च् + आ
पाठशाला - प + आ+ ठ + अ + श् + आ + ल् + आ
कमला - क् + अ + म् + अ + ल् +आ
बरसात - ब् + अ + र + अ + स् +आ + त + अ
रजनी - र + अ + ज् + अ + न +ई
बादल - ब् + आ + द् + अ + ल् + अ
तालाब - त + आ + ल् + आ + ब् +अ
बस्ता - ब् + अ + स् + त + आ

(छ) र - रमन	रस	-'	क्रम	ग्रह
रसीला	रट्-टू		व्रत	प्रसन्न
हर्ष	वर्षा	^	ड्रम	ट्रेक्टर
धर्म	कर्म		ट्रॉम	ट्रेन

(ज) गुब्बारा बस्ता ताम्र ट्रक तख़्त बच्चा
बिल्ली बल्ब पर्वत मच्छर व्याज जस्ता

रास्ता

अध्याय 3 संज्ञा

(क) 1. नदी - जातिवाचक

2. रमन - व्यक्तिवाचक

3. फूल - जातिवाचक

4. बालक - जातिवाचक बंदर - जातिवाचक

5. माँ - जातिवाचक ख़ुशी - भाववाचक

(ख)

बालक	-	बालपन	मोटा	-	मोटापा
हँसना	-	हँसी	स्व	-	स्वत्व
लंबा	-	लंबाई	उड़ना	-	उड़ान
जीतना	-	जीत	खट्टा	-	खटास
माता	-	मातृत्व	आप	-	आपा/अपनत्व

(ग)

व्यक्तिवाचक	जातिवाचक	भाववाचक
गंगा	बादल	लिखाई
रमेश	चिड़िया	चाल
विपिन	पेड़	हँसी
हिमालय	पर	बुढ़ापा

(घ) 1. सुंदरता 2. पढ़ाई 3. मित्रता 4. बचपन 5. सच्चाई

(ङ) 1. मधुरता 2. वीरता 3. ईमानदारी 4. भूख 5. ख़ुशी

(च)

व्यक्ति	-	व्यक्तित्व	पढ़ना	-	पढ़ाई
प्रसन्न	-	प्रसन्नता	पुरुष	-	पुरुषत्व
बुरा	-	बुराई	वीर	-	वीरता , वीरत्व
अपना	-	अपनापन	अच्छा	-	अच्छाई

(छ) 2. हिमालय बहुत विशाल पर्वत है।

इस पर्वत से अनेक नदियाँ निकलती हैं

इसकी ऊँचाई बहुत अधिक है।

3. महात्मा गांधी हमारे राष्ट्रपिता है।

वे महान पुरुष थे।

उन्होंने सत्य और अहिंसा का पालन किया।

4. यह मानक व्याकरण है।

यह प्रसिद्द पुस्तक है।

इसकी मोटाई अधिक है।

अध्याय 4 लिंग

(क) 2. गायक गाना गा रहा है।

3. दादी जी दिल्ली गई हैं।

4. डाल पर चिड़ा बैठा है।

5. जल में हंसिनी तैर रही है।

(ख)

गधा	-	गधी	बालिका	-	बालक
हिरनी	-	हिरन	ऊँट	-	ऊँटनी
गायक	-	गायिका	रूपवान	-	रूपवती
सेठानी	-	सेठ	लुहारिन	-	लुहार

(ग)

हिरनी	गधी	बालिका	चाची
घोड़ी	मुरगी	लेखिका	रानी

(घ)

रूपवान	चौधरी	बैल
गायक	जेठ	बाल

(ड़)

नित्य पुल्लिंग	नित्य स्त्रीलिंग
भालू	मकड़ी
खरगोश	गिलहरी
खटमल	कोयल
मच्छर	मछली

(च)

	मैंने रोटी खाई।
मैंने फल खाया।	मैंने अंडा खाया।

मैंने अनार खाया।　　　　मैंने समोसा खाया।

(छ)	2. हंस हंसिनी	3. मुर्गा मुर्गी
4. हाथी हथिनी	5. मोर मोरनी	6. हिरन हिरणी

अध्याय 5 वचन

(क) गाय	-	गाएँ	पतंग	-	पतंगें
लड़का	-	लड़के	चूहा	-	चूहे
मुरगा	-	मुरगे	तोता	-	तोते

(ख) 2. गमले उधर रखे हैं।

3. रमेश की मुरगियाँ बीमार हैं।

4. चिड़ियाँ चहचहा रही हैं।

5. मेज़ पर पुस्तकें रखी हैं।

6. उपवन में बच्चे खेल रहे हैं।

(ग) 1. हाथी जा रहे हैं।	हाथियों ने गन्ना खाया
2. फल रखे हैं।	फलों पर धूल जमी है।
3. फूल खिले हैं।	फूलों पर तितलियाँ हैं।
4. बरतन साफ़ हैं।	बरतनों को उधर रखो।

(घ) एकवचन	बहुवचन	बहुवचन	एकवचन	एकवचन
एकवचन	एकवचन	एकवचन	बहुवचन	एकवचन

(ड़) गुरु	-	गुरुजन	रात	-	रातें	तिथि	-	तिथियाँ
डिबिया	-	डिबियाँ	चिड़िया	-	चिड़ियाँ			

(च) पेज 28 से डाले

(छ) पेज 28 से डाले

अध्याय 6 कारक

(क) 2. गायिका ने मधुर गीत गाया। - कर्ता कारक

3. राम का भाई आया है। - संबंध कारक

4. माँ ने गुड्डी के लिए नई फ्रॉक खरीदी। - संप्रदान कारक

5. अरे ! मोहन ! तुम कब आए। - संबोधन कारक

6. बच्चा छत से गिर गया। - अपादान कारक

7. रेखा ने चाकू से सब्ज़ियाँ काटीं। - करण कारक

8. प्यासे को पानी दो। - संप्रदान कारक

(ख) 2. रजनी की दो बेटियाँ हैं।

3. जल में मछलियाँ हैं।

4. माँ ने बच्चे को दूध पिलाया।

5. हमने घोड़े पर बैठकर नदी पार की।

(ग) ने गीता ने चित्र बनाया।

को मोहन को बुलाओ।

के द्वारा हम बस द्वारा नैनीताल जाऐगे।

के लिए स्वीटी के लिए सूंदर खिलौने लाए।

से (अलग) मोहन छत से गिर पड़ा।

पर बालक छत पर पतंग उड़ा रहा है।

अरे अरे रामु ! यह क्या अनर्थ हो गया।

अध्याय 7 सर्वनाम

(क) 1. तुम 2. आप 3. कोई 4. खुद 5. यह

(ख) 1. तुम 2. कोई 3. अपने आप 4. जहाँ-वहाँ

(ग) 1. कोई - अनिश्चयवाचक

2. क्या - प्रश्नवाचक

3. स्वयं - निजवाचन

4. जिसने, उसे - संबंधवाचक

(घ) मैं - मैं आज कोलकाता जाऊँगा।

तुम - तुम क्या कर रहे हो ?

उसने - उसने तुम्हें भी बुलाया है।

उन्होंने - उन्होंने सारी हदें पार कर दी हैं।

स्वयं - मैं स्वयं खाना बना लूँगा।

(ड़) वे आज नहीं आएँगे। हमें कसरत करनी है।

उनके पास दो गाएँ हैं। उन्होंने कर्ज नहीं चुकाया है।

(च) 2. चाय में कुछ गिरा है।

3. उसने काम स्वयं किया है।

4. उसने खाना खा लिया है।

5. तुम्हें क्या चाहिए, बताओ।

(छ) एक भेड़िए ने मेमना चुरा लिया। भेड़िया उस को जंगल में ले गया। जब भेड़िया उस को खाने लगा तो वह बोला- मैं जनता है कि वह अब उस को खाएगा। पर वह मरने से पहले उस से गाना सुनना चाहता है। भेड़िया खुश हो गया और बोला- "वह गाना अवश्य सुनाएगा।" फिर वह गाना गाने लगा। उसकी आवाज़ शिकारी कुत्तों के कानों में पड़ी तो कुत्ते उस की ओर दौड़ पड़े। कुत्तों को देखते ही वह भाग गया और मेमने की जान बच गई

अध्याय 8 विशेषण

(क) 2. गीता ने गुलाबी साड़ी पहन रखी थी।

3. यहाँ किसी भी बाहरी आदमी का आना मना है।

4. सेठ धनीराम दयालु व्यक्ति है।

5. हमें देशी वस्तुओ को अपनाना चाहिए।

6. आप-सा इंसान मुश्किल से ही मिलता है।

(ख) 1. हरा-भरा पेड़ / विशाल पेड़

2. छोटी लड़की / सुन्दर लड़की

3. लाल फूल / सुन्दर फूल

4. मोटी पुस्तक / लंबी पुस्तक

5. अच्छा घर / सुन्दर घर

6. रंग-बिरंग हिरन / सुन्दर हिरन

(ग) 1.सर्वनाम 2. गुणवाचक 3. संख्यावाचक

4. परिमाणवाचक 5. गुणवाचक

(घ) 2. कक्षा में लगभग तीस बालक उपस्थित थे।

3. सुमन बहुत झूठी लड़की है।

4. दिनेश अत्यधिक ईमानदार आदमी है।

5. वह बहुत मोटा बालक है।

(ड़) 1. बाग मै सुन्दर फूल खिले है।

2. बहुत स्वादिष्ट खीर बनी है।

3. एक लीटर दूध ले आओ।

4. सौ ग्राम अदरक दस रूपए की है।

(च) 1. हरा

2. गरम

3. रंग-बिरंगी

4. ताज़ी

5. सुन्दर

6. मीठा

अध्याय 9 क्रिया

(क) 1. खा रही है।

2. हो रही है।

3. पढ़ रहा है।

4. पहनते हैं।

5. उपजाता है।

(ख) बादलों से पानी बरसता है।

उसके पिताजी डॉक्टर है।

मेरी नानीजी दिल्ली मे रहती

सुमन ने फल खरीदे।

(ग) 1. राम पत्र लिख रहा है।

राम पत्र लिख चूका है।

राम पत्र लिखेगा।

2. मोहिनी मेला देखने जा रही है।

मोहिनी मेला देखकर आ गई।

मोहिनी मेला देखने जाएगी।

3. पिताजी खाना खा रहे हैं।

पिताजी ने खाना लिया।

पिताजी खाना खाएँगे।

4. रवि चाय पी रहा है।

रवि चाय पी चूका है।

रवि चाय पीएगा।

(घ) खिलना

बाग में रंग-बिरंगे फूल खिले हैं।

खाएँगे

हम सब मिलकर खाना खाएँगे।

नाचूँगा

दीदी के जन्मदिन पर मैं नाचूँगा।

सुनाया

दादी ने कहानी सुनाई।

गाएँगे

हम सब मिलकर गाना गाएँगे।

चलना

हवा तेज चल रही है।

बनाया

माँ ने खीर बनाई।

सोचूँगा

पार्टी में जाने के लिए सोचना पड़ेगा।

अध्याय 10 अविकारी शब्द

(क) 1. तेज़ 2. मधुर 3. उधर 4. निरंतर 5. अभी-अभी

(ख) 1. के सामने 2. के साथ 3. के मारे 4. के पीछे 5. के अंदर

(ग) 2. तुम पढ़ोगे या मार खाओगे।

3. माँ ने कहा कि वह दिल्ली नहीं जाएँगी।

4. वह गरीब है किंतु ईमानदार है।

5. मन लगाकर पढ़ो ताकि प्रथम आ सको।

(घ) बाप रे ! इतना बड़ा साँप। आह ! बेचारी चल बसी।

शाबाश ! इसी तरह अच्छे अंक लाते रहो। छि: ! तुम्हारे घर में इतनी गंदगी।

(ड़) 1. के ऊपर 4. के पास

2.के बाहर 5. के साथ

3. के बाद 6. के लिए

(च) 1. और 2. अथवा 3. ताकि 4. परंतु 5. यद्यपि/तथापि

(छ) 2. खरगोश तेज़ दौड़ रहा है। 3. लड़की आराम से खा रही है।

वह निरंतर दौड़ता रहा। वह थोड़ा खा रही है।

4. लड़का अचानक सो गया। 4. वह प्रतिदिन पढ़ता है। 5.कछुआ धीरे धीरे चलता है।

वह लगातार सोता रहा। वह ध्यानपूर्वक पढ़ता है। वह उधर जा रहा है।

(ज)

भाव	विस्मयादिबोधक शब्द	भाव	विस्मयादिबोधक शब्द
ख़ुशी	अहा ! वाह !	घृणा	छि: ! छि: छि: !
आश्चर्य	हैं ! अरे !	संबोधन	अरे ! ओ !
शोक	ओह ! अरे राम !	क्रोध	चुप ! खामोश !
भय	बाप रे ! ओफ !	चेतावनी	खबरदार ! सावधान !

<u>अध्याय 11 - वाक्य</u>

(क) 2. बना रही हैं। 3. अस्त होता है।

4. बना रहा है। 5. सो रही है।

(ख) 1. रानी चित्र बना रही है।

2. राजा संदेश सुन रहा है।

3. बिल्ली सारा दूध पी गई।

4. लड़कियाँ नाच रही थीं।

5. अशोक महान राजा था।

(ग) सुमन किताब पढ़ती है।

बैल ने गाड़ी खींची।

किसान फसल बो रहा है।

(घ) 1. यह किसी पहाड़ी क्षेत्र का दृश्य है।

2. पहाड़ों के पीछे से एक झरना तीव्र गति से बह रहा है।

3. पानी एक दम स्वच्छ और सफ़ेद है।

4. एक भेड़ झरने का पानी पी रही है।

5. आसमान में दो काले पक्षी उड़ रहे हैं।

अध्याय 12 - विराम चिह्न

(क) 2. सावधान ! आगे गहरी खाई है।

3. आप कहाँ जा रहे हैं ?

4. आलू, प्याज, टमाटर और मटर ले आइए।

5. सचिन दिन-रात पढ़ता रहता है।

(ख) 1. प्रश्नवाचक चिह्न 2. अल्प विराम

3. पूर्ण विराम 4. विस्मयवाचक चिह्न

5. योजक चिह्न 6. उद्धरण चिह्न

(ग) । मेरे पिताजी कल मुंबई जा रहे हैं। , मोहन, सोहन और गौरी को बुलाओ।

? गाय के कितने पैरहोते हैं ? - राम-लक्ष्मण वन को गए।

! अरे ! तुम भी फेल हो गए। "....." सुभाष बाबू ने नैरा दिया "दिल्ली चलो "।

(घ) बंदर कहीं केले उठा लाया। वह आराम से कहि बैठकर खाना चाहता है। वाह ! बंदर तो आम, संतरा, सेब

सब चाट करने की तैयारी मैं है। क्या आप जानते हैं बंदर का हमसे क्या नाता है ? सोचो-सोचो।सोच कर बताओ।

अध्याय 13 मुहावरे

(क) अँगूठा दिखाना ---> साफ़ मना करना

उँगली पर नचाना ---> अपने वश में रखना

गले लगाना ---> बहुत प्यार करना

रँगा सियार ---> धूर्त

पौ फटना ---> दिन निकलना

चंपत हो जाना ---> भाग जाना

(ख) 1. आँखे भर आई 2. खाक छानता फिरता है 3. थान लेता

4. चंपत हो गया 5. लाल-पीला होना 6. फूली न समाई

(ग) 1. मुँह में पानी भर आया 2. आसमान सिर पर उठा लिया

3. मिर्च-नमक लगाकर 4. जान पर खेलने

5. लोहा लिया

(घ) 1. लज्जित होना 2. बहुत खुश होना 3. चुगली करना

4. भाग जाना 5. शाबाशी देना

(ड़) 2. परीक्षा के लिए अभी से कमर कसनी पड़ेगी।

3. सोहन बहुत नाक रगड़ता रहा परंतु मैंने अपनी अंग्रेजी की कॉपी उसे नहीं दी।

4. इसमें मोहन की कोई गलती नहीं है तुम बेवजह उस पर लाल-पिले हो रहे हो।

5. रामु तो अक्ल का दुश्मन है, उसे जो सामान लाना है, कागज पर लिख कर दो।

(च) 2. आसमान से गिरा खजूर में अटका 3. ईद का चाँद होना

4. किस्मत चमकना 5. अपनी उंगली पर नचाना

(छ) कान - कान का कच्चा - पड़ोसी ताई से इस विषय में कुछ मत कहना वह कान की कच्ची हैं पुरे मोहल्ले मै बात फ़ैल जाएगी।

घड़ा - चिकना घड़ा - संत को कुछ समझाना बेकार है क्योंकि वह तो चिकना घड़ा है जिस पर कुछ असर नहीं होता।

चाँद - ईद का चाँद - अमा सलीम भाई तुम तो ईद का चाँद हो रहे हो जो इतने दिन बाद दर्शन दे रहे हो।

अध्याय - 14 तरह-तरह के शब्द

(ख) समुद्र	-	सागर	जलधि	उदधि
पृथ्वी	-	धरती	क्षिति	वसुंधरा
भौंरा	-	अली	भ्रमर	मधुर
राजा	-	नृप	सम्राट	नरेश

(ग) नीरज, जलज   नाग, सर्प   वन, कानन

नीर, पानी   बेटी, सुता   चीर, वस्त्र

खग, विहग

(घ) 1. हाथी	3. नौका	5. सूर्य
गज	तरणी	रवि
मतंग	नैया	दिवाकर
2. आँख	4. चन्द्रमा	6. कमल
चक्षु	चाँद	पंकज
दृग	शशि	जलज

पेज 61

(क) आलसी	x	चुस्त	आदान	x	प्रदान
दिन	x	रात	स्वर्ग	x	नरक
स्वतंत्र	x	परतंत्र	यश	x	अपयश
			प्रेम	x	घृणा

(ख) ऊपर ---> नीचे

आमिर ---> गरीब

ज्ञान ---> अज्ञान

धूप ---> छाँव

सुगंध ---> दुर्गंध

गहरा ---> उथला

(ग) 1. चुस्त 2. अनादर 3. निर्जीव 4. जीत 5. दुख

(घ) जीवन x मरण - गिल्लू का मरण दीन आ चूका था।

नया x पुराना - पुराना साल विदा हो रहा है।

यश x अपयश - निरीह प्राणियों को मार कर अपयश के भागीदार मत बनो।

मानव x दानव - दानव के बगीचे में इस बार वसंत नहीं आया।

विष x अमृत - माँ का दूध बच्चे के लिए अमृत है।

पेज 63

(क) अंबर	-	आकाश	पृष्ठ -	पन्ना
		वस्त्र		पीछे का भाग
घन	-	बादल	घट -	घटना
		हथौड़ा		घड़ा
जड़	-	मूर्ख	सुर -	देवता
		भूल		संगीत का सुर

(ख) गुरु - जी रामअवध शास्त्री मेरे गुरु हैं।

- इस गुरुतर चट्टान को खिसकाना असंभव है।

पानी - पानी की एक-एक बूँद कीमती है।

- पानी उतरने पर मोती की आभा समाप्त हो जाती है।

घन - कालेघन पानी बरसा रहे हैं ।

(ग)

हथोड़ा

बिना हथोड़े की चोट से कील अंदर नहीं जा सकती

पत्र

पत्र लिखना एक प्राचीन कला है

पत्ता

नाग

नाग बहुत विषैला होता है ।

सूर्य

सूर्य सदैव पश्चिम में अस्त होता है।

हाथ

अपना हाथ जगन्नाथ

किरणें

सभी पत्ते हरे होते हैं ।

सूर्य की किरणें प्रदुषण को कम करती हैं ।

पेज 65

(क) बोलने वाला ---> वक्ता

चित्र बनाने वाला ---> चित्रकार

जो कम बोले ---> अल्पभाषी

जो कभी बूढ़ा न हो ---> अजर

जल में रहने वाला ---> जलचक्र

दशर्न के योग्य ---> दर्शनीय

(ख) 2. मछली जलचर है। 3. राजू अध्यापक है।

4. दीनू माली है। 5. वहांपक अल्पभाषी है।

(ग) अग्रज - श्री दीनदयाल वर्मा मेरे अग्रज हैं ।

अत्याचारी - कंस एक अत्याचारी राजा था ।

दर्शक - स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था।

सर्वज्ञ - स्वामी जी सर्वज्ञ हैं।

(घ) 1. अग्रज

2. जलचर

3. रसिक

4. कष्टसिद्य

5. यथाशक्ति

6. तटरक्षक

7. कवि

8. विधुर

पेज 67

(क) अंबर ---> आकाश

अंबार ---> ढेर

शोक ---> दुख

शौक ---> रूचि

उपेक्षा ---> तिरस्कार

अपेक्षा ---> आशा

(ख) 2. गृह - सोमवार को मेरे यहाँ गृहप्रवेश का कार्यकर्म है ।

ग्रह - सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा करते है।

3. प्रणाम - सेना के शूरवीरों को मैं प्रणाम करता हूँ।

प्रमाण - बिना प्रमाण के बैंक खाता नहीं खुल पाएगा।

4. पथ - यह पथ बड़ा पथरीला है।

पथ्य - वैद्य जी ने रोगी के पथ्य में केवल खिचड़ी बताई है।

(ग) 1. कुल 2. दशा 3. प्रधान 4. पथ 5. नीड़

(घ) 1. ग्रह - आकाशीय पिंड 4. प्रणाम - नमस्ते

2. गिरी - पर्वत 5. दिन - गरीब

3. काल - समय 6. अपेक्षा - आशा

<u>अध्याय 15 ग्रहण</u>

1. केरल प्रान्त में 2. महाबली का बढ़ता प्रभाव

2. तीन पग भूमि 4. ओणम्

5. पाताल में

6. बलि की दानशीलता के कारण।

7. राजा बलि ने विष्णु से वरदान माँगा कि वह वर्ष में एक बार अपनी प्रजा से मिल सकें।

अध्याय 16 चित्र-वर्णन

(क) 1. यह चित्र पिकनिक का है।

2. इसमें एक परिवार पिकनिक मनाने के लिए एकत्र हुआ है।

3. वातावरण बहुत मनोहारी है।

4. पलेटों में खाने का सामान निकाला जा रहा है।

5. सभी लोग नए रंगीन परिधान पहने हुए हैं।

6. वातावरण शांत एवं आकर्षक है।

(ख)1. यह रंगों के त्योहार होली का दृश्य है।

2. सभी लोग मस्ती के मूड में दिखाई दे रहे है।

3. होली का हुड़दंग शुरू हो चुका है।

4. पिचकारी से लड़की पर रंग की बौछार की जा रही है।

5. एक अन्य व्यक्ति ढोलक पर थाप दे रहा है।

6. पृष्ठभूमि में हरियाली दिखाई दे रही है।

अध्याय 17 - कहानी लेखन

स्वयं करें।

अध्याय 18 - पत्र लेखन

(क) 8/5

वैस्ट पटेल नगर

नई दिल्ली

प्रिय गरिमा

सादर नमस्ते।

जैसा कि तुम्हे पता है मैं पिछले हफ्ते अपने परिवार के साथ हरिद्वार की यात्रा पर गई थी। इस यात्रा में

बड़ा मजा आया। पहले तो हमने हर की पौढ़ी पर खूब नहाया और फिर शाम की आरती में गंगा की छटा

निहारते रहे। एक साथ हजारों दीपकों का गंगा की लहरों पर तैरना स्वर्गिक अनुभूति से कम नहीं था।

अगले दिन हम मंसा देवी के दर्शन के लिए ट्राली में सवार हुए। ट्राली ने पलक झपकते ही हमें ऊपर पहुँचा दिया। पहाड़ों के ऊपर से गुजरते हुए बड़ा रोमांच हुआ। वहाँ से नीचे गंगा का पवित्र निर्मल पानी धीरे-धीरे बहता हुआ। दिखाई दे रहा था।

अगले दिन ऋषियों की भूमि ऋषिकेश पहुँचे। वहाँ लक्ष्मण झूला तथा सीता भवन की सैर की। इस तरह हमने खूब मनोरंजन किया।

शेष मिलाने पर

तुम्हारी अभिन्नहृदय

सुकृति सक्सेना

(ख) प्रधानाचार्य

मीरा मॉडल स्कुल

मीरा बाग़

नई दिल्ली

दिनांक 20/5/20xx

विषय : विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र (S L C)लेने के संबंध में

महोदय

मैं आपके विद्यालय में कक्षा पाँचवी का छात्र हूँ। मेरे पिताजी सरकारी क्षेत्र में हैं। अब उनका स्थानांतरण कोलकाता हो गया है। मुझे भी परिवार के साथ वहाँ जाना होगा । वहाँ के किसी विद्यालय में दाखिला लेने के लिए मुझे S L C की जरुरत पड़ेगी। अत: आपके अनुरोध है कि इस संबंध में त्वरित कार्रवाई करके मुझे SCL दिलाने की कृपा करें।

धन्यवाद

आपका प्रिय शिष्य

अनुराग वर्मा - v 'B '

अध्याय 19 अनुच्छेद लेखन

स्वयं करें ।

अध्याय 20 - निबंध लेखन

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त)

भारत त्योहारों का देश है। यहाँ अनेक प्रकार के पर त्योहार समय-समय पर मनाये जाते हैं। इनमें से कुछ धार्मिक हैं तो कुछ फसली त्योहार / हम राष्ट्रिय तीन त्योहारभी मनाते हैं। इनमें एक स्वतंत्रता दिवस भी है।

भारत लगभग दो सौ वर्षो से गुलामी के बाद अंग्रेजों की दासता से ऐसी दिन मुक्त हुआ था अत: इसकी याद सजोय रखने के लिए इस दिन हम स्वतंत्रता दिवस मानते हैं।

इस अवसर पर जगह-जगह राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है। देशभक्ति की शपथ दिलायी जाती है। मुख्य समारोह देश की राजधानी दिल्ली में लालकिले पर मनाया जाता है। देश के प्रधानमंत्री तिरंगा फहराते है तथा राष्ट्र को सबोधित करते हैं। स्कुल में एक दिन पहले ही कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते है।

15 अगस्त के इस पावन पर्व पर हम देशवासियों को राष्ट्रभक्ति की शपत लेनी चाहिए तथा अपने उन हजारों देशभक्त स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करना वहहिए जिन्होंने अपना बलिदान देकर हमें स्वतंत्रता पूर्वक रहने का अवसर प्रदान किया।

वर्कशीट - 1

(क) हिंदी - देवनागरी | फ्रेंच - रोमन

पंजाबी - गुरुमुखी | बुल्गेरियन - रुसी

उर्दू - फारसी

(ख) गोपाल - ग् + ओ + प् + आ + ल् + अ

पाठशाला - प् +आ + ठ् +अ + श् + आ + ल् + आ

सुनहरी - स् +उ + न +अ +ह् +अ +र +ई

सरोवर - स् + अ + र +ओ + व् + अ + र +अ

(ग) क्क	-	पक्का	न्न	-	अन्न
त्त	-	पत्ता	स्स	-	हिस्सा
स्त	-	अस्त	म्म	-	मम्मी
द्य	-	विद्यालय	न्य	-	मान्य

(घ) स्वयं करें।

वर्कशीट - २

(क) खटमल - खटमलों ने रात भर सोने नहीं दिया।

कछुआ - कछुआ धीमी चाल से चलता है।

खरगोश - खरगोश तेज़ दौड़ता है।

भालू - पालतू भालू कई तरह के खेल दिखाता है।

(ख) मक्खी - बरसात में मक्खियों की बाढ़ आ जाती है।

मकड़ी - मकड़ी की आठ टांगें होती हैं।

मछली - पानी के बिना मछली कुछ पल भी नहीं रह सकती।

गिलहरी - गिलहरी एक शर्मीला जंतु है।

(ग) शेर	x	शेरनी	राजा	x	रानी
बैल	x	गाय	नाला	x	नाली
गुरु	x	शिष्य	पुत्र	x	पुत्री

(घ) 1. डाल पर तोते बैठे हैं। 2. भैंसे चर रही हैं।

3. मेज़ पर चाबियाँ रखी हैं। 4. कुतियाँ बैठी हैं।

5. गमले उधर रख दो।

(ड़) से (अलग) - पेड़ से पत्ते गिरते हैं।

मे - राधा ने फूल तोड़ा।

हे! - हे भगवान ! अब क्या होगा?

को - मोहन को बुलाओ

में - कलेंडर दीवार में टाँग दो।

से	-	रोहन साइकिल से स्कुल जाता है।
की	-	यह मोहन की पुस्तक है।
का	-	रमेश रोहन का भाई है।

(च) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

उदहारण - काली रात, सुंदर लड़की

वर्कशीट - 3

(क)1. दयालु - गुणवाचक 2. कुछ - संख्यावाचक

3. दो किलो - परिमाणवाचक 3. अच्छा - गुणवाचक

5. पीली - गुणवाचक

(ख)

उद्देश्य	विधेय
1. गंगा	हिमालय से निकलती है।
2. बच्चे	फुटबाल खेल रहे है।
3. दादी जी	कहानी सुनाती हैं।
4. घोड़ा	घास चर रहा है।
5.विमान	उड़ रहा था।

(ग) धीरे-धीरे	-	धीरे-धीरे हमारा कारवाँ बढ़ता जा रहा था।
तत्काल	-	मानीटर को तत्काल बुलाओ।
ध्यानपूर्वक	-	मेरी बात ध्यानपूर्वक सुनो।
अचानक	-	मैं दौड़ते हुए अचानक गिर पड़ा।

(घ) पाठ से पढ़ें

(ड़) और	-	रामा और श्यामा सगी बहने हैं।
किंतु	-	मोहन चला गया किंतु तुम नहीं गए
ताकि	-	घर से जल्दी चलो ताकि बस मिल जाए।
अथवा	-	सेना में तुम जाओगे अथवा तुम्हारा भाई।
इसलिए	-	राजेश को बुखार था इसलिए खेलने नहीं आया।
मगर	-	पिताजी के साथ निधि तो जाएगी मगर मैं नहीं जाऊँगा।

(च) बाहर x अंदर　　पाप x पुण्य

ईश्वर x मनुष्य　　ज्ञान x अज्ञान

क्रम x विक्रम　　स्वर्ग x नरक

आदान x प्रदान　　विरोध x समर्थन

अमृत x विष　　लाभ x हानि

सरस x नीरस　　प्रेम x घृणा

वर्कशीट - 4

(क) हाथी - गज, ऐरावत, हस्ती　　कमल - जलय, नीरज, सरोज

बादल - मेघ, घन, जल्द

(ख) 1. ---> घ.

2. ---> ड़.

3.---> क.

4.---> ग.

5.---> ड़.

(ग) घन - बादल हथौड़ा　　अंबर - वस्त्र, आकाश

पत्र - पत्ता, चिट्ठी　　हार - माला, पराजय

कल - मशीन, आने वाला कल　　पानी - जल, चमक

(घ) 1. यह चित्र रेलवे प्लेटफार्म का है।

2. प्लेटफार्म पर काफी हलचल है।

3. एक गाड़ी पटरी पर खड़ी है। पर उसके दरवाजे बंद हैं।

4. कुली एक सज्जन का सूटकेस उठाकर ले जा रहा है।

5. एक पति-पत्नी बेंच पर बैठे गाड़ी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

6. एक टिकट चैकर बालक से कुछ बातें कर रहा है।